

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इतिहासिक जज

13/12
24

पुनरुत्थ पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

11/3/25

पुनरुत्थ पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

24/4/25

पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

20/6/25

पुनरुत्थ पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

6/8/25

पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

15/10/25

पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

7/11/26

पुनरुत्थ पेश हुजा। 1950 प्राप्ति
जबाप अध्यापिका वरु जिना जा
हे पुनरुत्थ दि 11/3/25 को पेश
हुजे

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

बाबत एकपक्षीय बटल सुनी गई।
उस प्रवृत्ति में प्रार्थना पत्र प्रवृत्ति
स्वीकार कर ता० फैसला स्वयं आदेश
बाबत विवेक किया।

इसमें बटल एकपक्षीय सुनने के अंत
प्रावली का अवलोकन किया गया।

प्रमुख में प्रार्थना पत्रों के व सुविधा
का अनुमति प्रवृत्ति के पक्ष में प्रतीत
होता है।

अतः प्रवृत्ति में जारी अन्तरिम
स्वयं आदेश दिनांक 27/01/2021 को
ता० फैसला तक पुष्ट किया जाता है।
प्रावली फैसल सुनार और नम्बर
के रूप में बाद-तकनीक का प्रवृत्ति
होना।